कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–043

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.टी.टी.–043 : अनुवाद सिद्धान्त और सिंधी-हिन्दी-सिंधी अनुवाद परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **1** से **8** तक के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में और प्रश्न संख्या **9** में लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. अंग्रेजी के 'ट्रांसलेशन' के अर्थ में हिन्दी के 'अनुवाद' और 'रूपांतर' शब्द-प्रयोग सम्बन्धी वाद-विवाद पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 20

2. अनुवादक के समक्ष उभरने वाली चुनौतियों क विभिन्न स्तरों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 20

3. 'अनुवाद और पुनर्लेखन' विषय पर निबंध लिखिए। 20

4. पश्चिम की आरंभिक अनुवाद परंपरा और तत्संबंधी दिशा-निर्देशों का विवेचन कीजिए। 20

5. आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकतावाद क्या है ? 'उत्तर-आधुनिकतावाद और अनुवाद' पर विस्तृत लेख लिखिए। 20

6. 'मुगलकालीन अनुवाद परंपरा' पर निबंध लिखिए। 20

7. अनुवाद के आरंभ पर विचार करते हुए बाइबिल के अनुवादों की पाश्चात्य अनुवाद परम्परा पर प्रकाश डालिए। 20

8. स्वातंत्र्योत्तर काल में भारतीय भाषाओं से सिंधी में अनुवाद की परंपरा का विवेचन कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

   (अ) लोकोक्ति-मुहावरों के अनुवाद की सीमाएँ

   (ब) हरीश त्रिवेदी के अनुवाद संबंधी विचार

   (स) फारसी दस्तावेजों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद

   (द) सिंधी साहित्य अनुवाद परंपरा : आरंभ और काल-विभाजन